विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

www.vidarbhswabhiman.com 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 8 से 14 मई 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 46 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में कभी भी किसी की बुराई मत करो, माता-पिता के साथ छल करने वाला बेटा जीवन में कितना भी कमा ले, उसके घर में शांति और सद्भावना के साथ ही खुशियां नहीं आती हैं. प्रभु इसे बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं. माता-पिता तथा परिवार को राजनीतिक से दूर रखना चाहिए.

पेज नंबर 2
ज़ातिगत मतगणना का फैसला कितना उचित है.

पेज नंबर 3
शहर में रक्तदान आंदोलन खड़ करने वाले डॉ.चंद्रभान दारा

पेज नंबर 4
महालक्ष्मी की आराधना से होता है जीवन खुशियों से युक्त, श्री व्यंकटेश्वर बालाजी की कथा

पेज नं. 8
भारतीय सेना तोड़ रही है पाकी सेना की कमर, सभी हमले विफल, जेट फाइटर भी गिराया

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

आतंकवादी अड्डे ध्वस्त,पाक में खौफ का माहौल

भारतीय सेना ने शौर्य का नया इतिहास रचा, तीन दिनों में ही पाक की कमर तोड़ी

नई दिल्ली- भारत सरकार ने देश के इतिहास में पहली बार आतंकवादी हरकत को गंभीरता से लेते हुए जिस तरह से पहलगाम का बदला लिया और आतंकवादी अड्डों को रात्रि में ही नष्ट कर दिया, उससे पूरा देश खुश है. इसके साथ ही सरकार को जिस तरह से विपक्ष ने भी हमारे नागरिकों की मौत का बदला लेने के लिए जिस तरह से खुली छूट दी और सरकार ने सेना को खुली छूट दी, उसके चलते भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना केछक्के छुड़ा दिए. युद्ध जैसी स्थिति बनी है और पाकिस्तान में अफरातफरी वाली स्थिति पैदा हो गई है. भारत ने पाकिस्तान की

राजधानी इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, सियालकोट, पेशावर, बहावलपुर समेत नौ महत्वपूर्ण शहरों में मिसाइलों और ड्रोन की बौछार की. अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना सीमापार से जबर्दस्त गोलाबारी का भी मुंहतोड़ जवाब दे रही है.हमलों के बाद सीडीएस के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के प्रमुखों की आपात बैठक हुई. समझा जा रहा है कि इस बैठक में पाकिस्तान को उसकी हिमाकत के विरूद्ध और तगड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है. एनएसए डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें ताजा हालात की जानकारी दी.

भारत ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान की टकराव बढ़ाने की कोशिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा. खास बात यह है कि बुधवार रात की तरह ही गुरुवार को भी भारतीय सेना ने अपनी सीमा में रहते हुए पाकिस्तानी ठिकानों को निशाना बनाया है. शाम को पाकिस्तान के हमले के बाद धर्मशाला में हो रहा आईपीएल का मैच सुरक्षा के लिहाज से रोक दिया गया.उधर, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने भी पाकिस्तान में मोर्चा खोल दिया है और उसने पाकिस्तानी **शेष पेज 8 पर**

भाजपा नेत्री नवनीत राणा ने दिलाया हजारों छात्रों को न्याय

अमरावती- पूर्व सांसद तथा भाजपा नेत्री नवनीत राणा द्वारा लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है. इसी तरह ऐन समय पर बदले अभ्यासक्रम को लेकर उन्हों ने आक्रामक होकर छात्रों को न्याय दिलाया. इसके लिए छात्रों द्वारा उनकी सराहना की जा रही है. राणा के तत्काल हस्तक्षेप से महाराष्ट्र के आईटीआई इलेक्ट्रिशियन और वायरमैन ट्रेड के सैकड़ों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है. महावितरण द्वारा विद्युत सहायक पद के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा के सिलेबस में किया गया अचानक बदलाव अब वापस ले लिया गया है और पहले जैसा सिलेबस दोबारा लागू कर दिया गया है. 29 अप्रैल 2025 को आईटीआई के सैकड़ों विद्यार्थियों ने नवनीत राणा से मुलाकात कर अपनी समस्या से अवगत कराया था. उन्होंने बताया कि परीक्षा से केवल 20 दिन पहले महावितरण ने परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव कर तकनीकी विषयों के अंक कम कर दिए और गैर-तकनीकी विषयों को अधिक महत्व दे दिया, जिससे सभी विद्यार्थियों को अन्याय का सामना करना पड़ा.

यह वही विषय हैं, जिनकी तैयारी विद्यार्थी पिछले दो वर्षों से कर रहे थे.राणा ने तुरंत ऊर्जा विभाग की सचिव आभा शुक्ला से फोन पर संपर्क किया और पूरी जानकारी देकर समाधान की मांग की. विद्युत सहायक परीक्षा के परिणाम को लेकर भी नवनीत राणा ने अधिकारियों से बात की है, और उन्हें आश्वासन मिला है कि परिणाम तीन से चार दिनों में घोषित किया जाएगा.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 13वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

ज़ातिगत मतगणना का क्या होगा देश को लाभ

भारत में जातियों को लेकर कई दशकों से विषमता वाली स्थिति पैदा रहने के बाद भी आज आजादी के कई दशकों के बाद भी जाति के नाम पर जिस तरह से देश में राजनीति की जाती है, जिस तरह से अधिक रहने वालों को संतुष्ट करने का प्रयास किया जाता है, उसके चलते जहां एक वर्ग पर अन्याय होता है, वहीं दूसरी ओर विषमता की यह खाईं सदैव बढ़ती जाती है. ऐसे में जाति की गणना को लेकर जिस तरह से फैसला लिया गया है, उसको जहां कांग्रेस के राहुल गांधी अपनी जीत मान रहे हैं, वहीं सरकार ने भी फैसला लेने के बाद यह स्पष्ट करना चाहिए था कि आखिर जातिगणन मतगणना से देश को ऐसा क्या हासिल होने वाला है, जिससे यहां सुजलाम सुफलाम हो जाएगा. सवाल यह है कि मानव जन्म लेने वाले हर व्यक्ति को एक समान अगर सम्मान दिया जाए तो देश मजबूत होगा या जाति के नाम पर झुंड वाली स्थिति पैदा करने से समस्या हल होगी और देश तरक्की करेगा. भारत में ऐसी कोई जाति नहीं है, जो पूरी तरह से सम्पन्न हो या ऐसी भी कोई जाति हो, जिन्हें दो जून की रोटी भी नहीं मिल पा रही है लेकिन इस तरह की राजनीति और घटिया सोच के कारण जब युवाओं पर जाति के नाम पर अन्याय किया जाता है तो निश्चित तौर पर उनकी क्या स्थिति होती है, इसका अंदाजा केवल वही लगा सकते हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश में जाति मतगणना करने का फैसला लिया है. इस जनगणना के आधार पर जहां देश में जाति के आधार पर स्पष्ट होगा कि कौन कम है कौन अधिक है, वहीं दूसरी ओर इस तरह की मतगणना से निश्चित तौर पर जाति का जहर और फैलने से इनकार नहीं किया जा सकता. देश भर में में शुरू होनेवाली जनगणना में फार्म में ही जाति का भी कलम होगा इसके आधार पर ही जानकारी जुटा जाएगी कि देश में किस जाति के कितने लोग हैं. हैरत इस बात को लेकर होती है कि एक तरफ हम जाति के नाम पर किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करने की बात करते हैं वहीं दूसरी ओर जाति के मामले को राजनीतिक आईने से देखते हुए इस तरह की मतगणना के माध्यम से आखिर हम क्या संदेश देना चाहते हैं, इसका भी विचार किया जाना चाहिए. राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे नेता लंबे समय से जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि इस तरह की मतगणना करने से संसाधनों के वितरण में आसानी होगी. आज जिस देश में तुष्टिकरण वाली नीति के कारण सामाजिक वैमनष्य वाली स्थिति पैदा होती है. विपक्ष द्वारा लगातार की जा रही मांग और इस मामले में केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष के नहले पर जिस तरह का दहला फेंका गया है, उसके चलते विपक्ष की स्थिति न घर की न घाट की वाली हो गई है. आजादी के बाद एक को संतुष्ट करने के सरकारी प्रयासों को अगर आज हम कोसते हैं और कहते हैं कि सरकार को सभी को न्याय देना चाहिए कि फिर क्या इसका प्रमाणपत्र रहता है कि कोई ब्राह्मण है तो वह जन्मजात अमीर होगा. वह मजदूरी करने के बाद भी जाति के आधार पर उसके बेटे का नंबर अगर उच्च शिक्षा में नहीं लगता तो उस पर अन्याय नहीं है.ऐसी कुंठा देश के हित में किसी रूप से नहीं हो सकती है. समय के साथ जाति को छोड़ना जरूरी है.

मराठी विद्यालयों पर मंडराता खतरा

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

इसे सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य कि कभी जाति, कभी धर्म, कभी भाषा तो कभी प्रांत के नाम पर भारतीय ही एक-दूसरे को गालियां देने की मानसिकता रखते हैं.लेकिन बात जब स्वयं पर आती है तो बगले झांकने लगते हैं. मराठी की आवाज भी बीच-बीच में कुछ नेताओं द्वारा उठाई जाती है. लेकिन अमरावती महानगर पालिका, जिला परिषद मराठी शालाओं की आज क्या स्थिति है अगर इस पर गौर करने का प्रयास किया जाता तो निश्चित ही कथनी और करनी का अंतर पता चल जाता है. लेकिन दुर्भाग्य कि आज के दौर में हर बात को स्वार्थ, राजनीतिकि स्वार्थ के नजरिए से देखा जाता है. यही कारण है कि आज मराठी विद्यालय तेजी से बंद होने की कगार पर पहुंच रहे हैं लेकिन उसकी चिंता किसी को नहीं हैं. कितने ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपने बच्चों को मराठी विद्यालयों में पढ़ाया है या कितने ऐसे सरकारी शिक्षक हैं, जिन्होंने भाषा प्रेम के चलते अपने बच्चों को महानगर पालिका, नगर पालिका, जिला परिषद की प्राथमिक मराठी शालाओं में प्रवेश दिया है. लेकिन बात जब भाषा की होती है तो यह सबसे आगे रहते हैं. महात्मा गांधी का एक किस्सा मैने सुना था. महात्मा गांधी स्वयं गुड़ अधिक खाते थे. एक महिला एक बार बापू के पास बच्चे को लेकर आयी और उस महिला ने कहा कि बापू हम तो बोल-बोलकर हार गए हैं, आप इसे गुड़ खाने से मना कर दें तो शायद यह गुड़ नहीं खाएगा. बापू ने महिला की बात सुन ली लेकिन उस पर कुछ नहीं बोला. महिला को 8 दिन के बाद आने के लिए कहा. चूंकि बच्चे की आदत का सवाल था तो महिला अपने बच्चे को लेकर आठ दिनों के बाद आयी. उस समय बापू ने बच्चे को समझाया कि ज्यादा गुण खाना अच्छा नहीं होता है. बच्चा भी मान गया. महिला ने जब बापू सेपूछा कि यह बात तो आठ दिन पहले भी आप बता सकते थे तो बापू ने कहा कि तब तक मैं स्वयं गुण अत्याधिक खाता था. जब मैं स्वयं ही गुण खाता था तो किस नैतिकता से मैं बच्चे को गुड़ खाने से मना करता. वर्ना आज तो दूसरों को ज्ञान बांटने में कहीं कोई कमी नहीं करता है. मराठी विद्यालयों के मामले में यही बात है. लेकिन यह भविष्य के लिहाज से अनुचित है. महाराष्ट्र में कक्षा एक से पांच तक हिंदी पढ़ाना अनिवार्य किए जाने को लेकर कई राजनीतिक दल तीखे तेवर दिखा रहे हैं. लेकिन सच्चाई यह है कि राज्य में अभिभावक भी अपने बच्चों को मराठी माध्यम से शिक्षा दिलवाने को लेकर उदासीन हैं और पूरे राज्य में मराठी माध्यम के विद्यालयों की संख्या लगातार घटती जा रही है.

तीन दिन पहले ही राज्य सरकार ने कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों को हिंदी पढ़ाना अनिवार्य किया, तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और कांग्रेस ने सरकार को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दे डाली है. मनसे और शिवसेना जैसे दल अपने स्थापना काल से ही शिक्षा और नौकरियों में मराठीभाषियों को प्राथमिकता देने के आग्रही रहे हैं.लेकिन मुंबई महानगरपालिका में पिछले करीब 30 वर्षों से शिवसेना का कब्जा होने के बावजूद मुंबई के मनपा संचालित विद्यालयों में भी मराठी माध्यम के विद्यालयों की संख्या लगातार घटी है और हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की संख्या बढ़ी है. सिर्फ मुंबई महानगर में पिछले 10 वर्षों में बीएमसी संचालित मराठी माध्यम के 106 विद्यालय बंद हो गए हैं. इसके विपरीत हिंदी माध्यम के 30, अंग्रेजी माध्यम के 58, यहां तक कि उर्दू माध्यम के भी पांच विद्यालय बढ़े हैं.हम बाहर और होते हैं और भीतर और होने वाली मानसिकता की बलि मराठी भाषा भी चढ़ रही है. अमरावती महानगर पालिका के मराठी विद्यालयों की क्या स्थिति है, इसे समझने का प्रयास करें. गरीबों के बच्चों को छोड़ दिया जाए तो इसमें सरकारी कर्मचारी तक के बच्चे नहीं हैं. शिक्षकों की बात ही अलग है. जब हम स्वयं ही जिस चीज को नहीं करते हैं तो उसे किस मुंह से दूसरे को कहेंगे. मराठी जैसी प्यारी भाषा नहीं है. लेकिन इसका महत्व सभी के बढ़ाने से बढ़ने वाला है. मराठी विद्यालयों में बच्चों को शामिल कर पढ़ाएंगे तो संस्कृति के साथ ही संस्कारों से भी परिपूर्ण निश्चित रहेंगे.

बहुगुणी सेवाभावी व्यक्तित्व हैं प्रा. मोहन पुरोहित

जन्मदिन 7 मई पर विशेष, विद्वता में विनम्रता है खूबी

जीवन में कुछ लोगों का स्वभाव, उसका आपके मन पर प्रभाव काफी अलग होता है. गणित के आदर्श प्राध्यापक रहे मोहन पुरोहित सर भी ऐसे ही व्यक्ति हैं. जिनकी विद्वता में विनम्रता निश्चित ही सीख लेने जैसी है. अंबापेठ क्षेत्र निवासी प्रा.पुरोहित आदर्श पुत्र, पिता के साथ ही सभी रिश्तों में मानवप्रेमी रहे हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं.

जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार

पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामयाब रहेंगे. जीवन में जितना हो सके, सदैव अच्छा करने की कोशिश करनी चाहिए. अगर अच्छा नहीं हो तो बुरा करने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए. इस आशय की सीख विदर्भ के शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी ब्रजलाल बियाणी महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक और सामाजिक, शैक्षिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले प्रा. मोहन पुरोहित ने दी है.

सम्पन्नता में भी विनम्रता की जहां वे प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर सादगी और आत्मीयता कूट-कूटकर भरी है. प्राध्यापक रहते समयगरीब तथा जरूरतमंद छात्रों को सर जहां सदैव मदद देते थे, वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत्ति के बाद भी सेवा का उनका यह व्रत जारी है. जीवन में माता-पिता को अत्याधिक महत्व देने वाले प्रा.मोहन पुरोहित सर शिक्षा के क्षेत्र में राज्यस्तर पर सुख्यात हैं. लेकिन उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है. अंबापेठ निवासी सर की दिनचर्या आज भी व्यस्त रहती है. सुबह उठने के बाद मार्निंग वॉक के अलावा साफ-सफाई को लेकर अत्याधिक सतर्क रहते हैं. जीवन में पति की सेवा के साथ ही आदर्श पत्नी के रूप में जहां मैडम का साथ रहता है, वहीं पुत्र भी उच्च शिक्षित हैं. प्रा. पुरोहित स्वयं भी सेवा के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, करने का प्रयास करना चाहिए. माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले प्रा. मोहन पुरोहित सर का 7 मई को जन्मदिन है. सर को जन्मदिन की करोड़ों शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. सदा प्रसन्न रहें,मुस्कराहट बिखेरें,यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

शहर के रक्तदान महायौद्धा डा.चंद्रभान दारा

ज़न्मदिवस पर विशेष, हरदिल अजीज व्यक्तित्व हैं

ज़ीवन में बहुत कम लोगों के भाग्य में हर चीज सही मिलती है, श्री बालाजी ब्लड बैंड के संचालक और रक्तदान के क्षेत्र में अमरावती में क्रांति करने वाले डॉ. चंद्रभान दारा ऐसे ही विरले व्यक्ति हैं. प्रभु की भक्ति के साथ माता-पिता की सेवा तथा आदर्श परिवार के मुखिया के रूप में उनकी उपलब्धियां शायद कई पुरस्कारों से बड़ी हैं. उनका 7 मई को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं.परिवार में बेटा-बेटी को खुश देखकर निश्चित तौर पर मन प्रसन्न होता है, मनीष दारा के साथ डॉ. रवि जैसे बेटे जिस पिता को हों, वह निश्चित तौर पर स्वयं को गौरवान्वित ही समझना चाहिए. बेटी दिल्ली सरकार में वरिष्ठ पद पर रहने के बाद भी माता-पिता तथा परिवार को कितना चाहती है, इसका अनुभव गत वर्ष उनके एक समारोह में उनकी उपस्थिती में आया था.

अमरावती शहर ही नहीं तो रक्तदान के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से सेवारत डा.चंद्रभान दारा जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान हैं. अमरावती में रक्तदान के लिए जहां उन्होंने लोगों को प्रोत्साहित किया है, वहीं दूसरी ओर सदैव सेवाभाव से काम करते हुए सेवाभाव का गौरव बढ़ाया है. स्वभाव से जहां उनमें सादगी दिखाई देती हैं, वही मुंबई के बाद विदर्भ में पहली रक्तपेढ़ी और रक्तघटक प्रयोगशाला की स्थापना कर मानवता की बहुत बड़ी सेवा का कार्य भी किया है. 15 अगस्त 1996 को उन्होंने रक्त संकलन और रक्त के घटक की जांच कर मरीजों को जीवनदान देने के उददेश्य से अंबापेठ में बालाजी ब्लड बैंक एवं ब्लड कम्पोनेंट लैब की स्थापना की. डा.दारा विदर्भ में रक्त प्रौद्योगीकी के पितामह के रूप में स्थान रखते हैं. इतना ही नहीं तो अभी तक लाखों मरीजों को रक्त की आपूर्ति करते हुए जीवनदान देने का पवित्र कार्य डा.चंद्रभान दारा ने किया है. अमरावती में लगभग 5 दशक से वे अपनी बेहतरीन सेवाएं दें रहे हैं. पिता के ही कदमों पर चलते हुए पुत्र मनीष दारा तथा डा.रवि दारा चल रहे हैं. डॉ.रवि दारा जहां महाराष्ट्र में पहले ब्लड ट्रांसफ्यूजन के एमडी हैं, वहीं लायन्स सहित विभिन्न समाजसेवी संगठनों से जुड़कर मनीष दारा पिता का नाम रोशन कर रहे हैं. डा.चंद्रभान दारा संवेदनशील व्यक्ति हैं. रक्त संकलन के क्षेत्र में 5 दशक से सेवाएं दें रहे हैं. 1975 से 1996 तक उन्होंने जिला सामान्य अस्पताल इविग्न में रक्तपेढ़ी के प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दी.वहां सेवा के दौरान रक्तदान को लेकर बैठी भांतियों को दूर करते हुए युवाओं को रक्तदान के लिए जहां प्रेरित किया, वहीं इसके लिए उन्हें अभी तक कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं. 1990 में रक्तदान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए तत्कालीन संभागीय आयुक्त सुधाकर जोशी एवं स्वास्थ्य संचालक डा.बाल पांडे ने उन्हें सम्मानित किया. 1996 में जब बालाजी ब्लड बैंक की स्थापना उन्होंने की उस समय समूचे विदर्भ में यह अपनी तरह की मुंबई के बाद पहली प्रयोगशाला थी.डा.चंद्रभान दारा भगवान बालाजी के अनन्य भक्त हैं. यही काराण है कि जयस्तंभ चौक स्थित व्यंकटेश धाम में जहां वे दर्शनार्थ जाते हैं, वहीं अपने स्वास्थ्य को लेकर भी सजग रहते है. सालभर तैराकी करते रहे हैं. व्यवसाय के साथ सेवाभाव को उन्हों ने सदैव महत्व दिया. उनके मुताबिक अध्यात्म से सकारात्मक उर्जा मिलती है. जितना संभव हो सभी की मदद करने से मिलने वाला सुकून शब्दों से बाहर रहता है. आदर्श पुत्र, पिता, पति की सभी भूमिकाएं उन्होंने बेहतरीन तरीके से निभाई है. दोनों बेटे, बेटी के साथ ही उनके परिवार में छह डाक्टर उनकी तपस्या का फल नहीं तो और क्या है.

डा.चंद्रभान दारा के मुताबिक मानवसेवा सबसे बड़ी सेवा है. इससे जहां आत्मिक संतुष्टि मिलती है. वहीं दूसरी ओर किसी की मदद करने की दुआएं भी मिलती है.रक्तदान के क्षेत्र में जरूरतमंद मरीजों की सेवा से उन्हें अपार सुकून मिला है.शहर के साथ ही सूमचे जिले से बडी संख्या में जरूरतमंद मरीज यहां आते हैं. एक समय रक्तदान को लेकर लोगों में तमाम गलतफहमियां थी, कोई भी रक्तदान के आगे नहीं आता था. रक्त के अभाव में हजारों की संख्या में जिर्दगियां दम तोड़ देती थी.अमरावती ही नहीं तो विदर्भ में रक्तदान आंदोलन की महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में उन्होंने अपना सम्मानजनक स्थान बनाया है. बाबूजी का 7 मई को जन्मदिन है. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु की कृपा बनी रहे, प्रभु चरणों में यही कामना. बाबूजी सदैव हंसते रहें, मुस्कराते रहें, प्रभु की कृपा से स्वस्थ्य रहें, यही कामना, जन्मदिन पर शुभकामनाएं.

मनीष दारा, अमरावती.

पक्षियों के लिए छत पर पानी-दाना बच्चों से रखवाएं

अमरावती -भीषण गर्मी के कारण मानव के साथ ही जीव-जंतुओं को भी कई परेशानियां होती हैं. ऐसे में हमारे घरों की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखते हुए उनकी प्यास बुझाने का पुण्य स्वयं करें और अपने घर के बच्चों को इसके लिए प्रेरित करें.इससे उनमें दयाभाव बढ़ेगा. बच्चों के बीच बढ़ने वाला यह दयाभाव निश्चित रूप से उनके जीवन के साथ ही माता-पिता के जीवन को संवारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है. **विदर्भ स्वाभिमान**

शुभेच्छुक- डॉ.चंद्रभान दारा मित्र परिवार, अमरावती.

महालक्ष्मी की कृपा संवारती है जिंदगी

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-15, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- तुम उस व्यूह लक्ष्मी की कथा को सुनो. वे अत्यंत दयालु लोक माता हैं. वे पूर्ण चंद्र प्रभास युक्त हैं. वे पुरूषोत्तम प्रिय भी हैं. प्रद्नाल, अमल, पद्नपाणी व्यूह भेद से वे साक्षात श्री महालक्ष्मी की अवतारी हैं. उनकी कीर्ति का गायन करने से जय प्राप्त होगी. वो कारुण्यमूर्ति, मंगल विग्रह रुपी हैं.भक्तों की सदा रक्षा करनेवाली हैं. सुनो सुनायास से भक्ति तत्परता से उनके प्रति भक्ति दिखाने से तुम्हारे सारे पाप दूर होकर अपार संपादाएँ प्राप्त होंगी. उस महादेवी का मंत्र मैं तुम्हें बताऊँगा.उस मंत्र का तुम सदभक्ति से जप करो. यह बताकर अंगन्यास करन्यास पूर्वक लक्ष्मी मंत्र का उपदेश देकर ध्यान से करने की विधि को भी बताकर श्रीवेंकटाचल जाने की आज्ञा दी.

श्रीनिवास तुम्हारी प्रार्थनाओं से प्रसन्न होकर तुम्हारी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे. ऐसी आज्ञा देकर सनत्कुमार अदृश्य हो गए. तब आत्माराम मन में भयभीत होकर और पुलकित भी होकर नेत्रों में आनंद भाष्प के आने से तग्दुरु का ध्यान करने लगा. साथ ही लक्ष्मी मंत्र का जप करना शुरु कर दिया. आकाश गंगा धरती पर उतरने की तरह विरजा नदी के रूप में प्रवाहित होनेवाली पवित्र पुष्करिणी तीर्थ को देखा. शीलाग्रस्थ प्रवाहित होनेवाली विरजा नदी के प्रवाह समेत पुष्करिणी को देखकर आत्माराम को बहुत आनंद हुआ. तभी वह पर्वत पर चढ़कर स्वामी के उस ने पुण्य तीर्थ में स्नान किया. उसी के तट पर जप तप करते स्वामी के ध्यान में लीन हो गए. उसके साथ लक्ष्मी मंत्र को अत्यंत श्रध्दा से जप करने लगा.

श्रीहरि का अनुग्रह-तब श्रीहरि ने आत्माराम का अनुग्रह किया. वे कैसे वहाँ पधारे हैं.प्राकारयुक्त बहु मंटप , विविध सत्कल्याण वेदिकाएँ, सोने से बने बड़े-बड़े गोपुर, सुंदर बड़े-बड़े सौद, सरस मोतियों से भरे चप्पर,भानुकोटि प्रकाश से प्रकाशवान रन्तजटित सभा स्तंभ समेत गंधर्व नगर की तरह,सिध्दों से सेवित,गीत-नर्तन वाद्यों से भरे एक दिव्य धाम के मध्य में कुंडलादि रन्त कुटीर कौस्तुभ शोभित , अनेक मुख भूषणों से सुसज्जित, रमणीय कनकांबर वस्त्र लटकते, नील कांति से परिवेष्ठित ,हद्य पर व्यूह लक्ष्मी के विराजित होते शत कोटि मन्मथाकार श्री वेंकटेश्वर ने स्वामी पुष्करिणी के तट पर ध्यान करनेवाले आत्माराम भूसुर को दर्शन दिए. स्वामी के दर्शन से विप्रन्न होकर स्वामी का साष्टांग दंड प्रणाम किया. दंड- प्रणाम करने के उपरांत विनती करने में असमर्थ होकर गद्गद कंठ से करुणा से करुणानिधान हरि ने इस रूप में कहा.

तुझे भय क्यों है व्यूह लक्ष्मी की कृपा दृष्टि तुम पर है.अब के बाद आयु-आरोग्य,ऐश्वर्य तुम को प्राप्त होंगे. सत्कर्म करने का विवेक भी तुमको प्राप्त होगा.साथ ही जीवन की अन्य मुसीबतें भी दूर होंगी.

निष्ठा के साथ जीवन जियो. ऐसा कहते माधव ने ब्राह्याण को अभय देकर ब्रह्मादि देवताओं से प्रशंसित होते अदृश्य हो गए. तब विप्र आत्माराम थोड़ा भयकंपित होकर सोच में पड़ गया कि अभी अभयदान करनेवाले हरि कहाँ गए सोचने पर लगता है कि यह सच है या सपना इस रूप में वह हड़बड़ाहट में सोच में पड़ गया. कुछ समय के बाद सद्गुरू की कृपा से समझ लिया कि यह सत्य है. फिर पर्वत से उतर कर अपने शहर जाकर संपदाएँ प्राप्त करके अनेक दान पुण्य करने लगा.इस कथा को पूर्व में मुझे वाल्मीकी ने सुनाया था, हे संयमी मुनिगण! वही मैंने आप लोगों को सुनाया. शौनकादि मुनियों से सूत ने इस रूप में आत्माराम की कथा के बारे में बताया. यह सुनकर शौनकादि मुनियों ने राह पर्वत के माहात्म्य के बारे में आपसे सुन कर हमें बहुत आनंद हुआ.अब इस वैकुंठ पर्वत पर विराजित सन्दिरि पहाड़ के बारे में हमें विस्तार से बताइए.ऐसा मुनियों ने आशा से सूत से कहा.

सप्तदश तीर्थ-हे धीरात्मा! सुना है कि उस पर्वत पर लगभग सत्रह पुण्य तीर्थ हैं.उनके बारे में विस्तार से सुनने की इच्छा है. कृपया हमें सुनाइए. वें कटाचल पर्वत के माहात्म्य को और विस्तार देते हुए उस पर स्थित विविध तीर्थों के बारे में सूत ने शौनकादि मुनियों को इस रूप में सुनाया हे महात्मा! उन तीर्थों के माहात्म्य के बारे में बताना बहुत कठिन है. फिर भी बुजुर्गों ने जो कुछ मुझे बताया है उसी रीति में मैं आपको बताऊँगा. कृपया सुनिए. कहते उस नारायण का स्मरण करके उन तीर्थों के बारे में बताना शुरु किया. हे मुनिगण! हरिकलांशज कर्दमाख्य के पुत्र कपिल नामक मुनि ने पूर्व में इस कपिल तीर्थ में योगाभ्यास किया था.

शेष अगले अंक में

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

राजपुरोहित फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी

इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी

HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील

कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट

फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने शिलांगण रोड, अमरावती

संपर्क : 9028123251

MALOO ENTERPRISES
माल्तू एंटरप्रायझेस तर्फे
महाराष्ट्र राज्याचे लाडके उपमुख्यमंत्री
मा. ना. श्री. एकनाथजी संभाजी शिंदे साहेब
व शिवसेनेतील माननीय नेतृत्त्व
मा. श्री उदय सामंत
मा. श्री आशीष जैस्वाल
मा. श्री संजय शिरसाट
मा. श्री संजय राठोड
यांचे अंबानगरीत
हार्दिक स्वागत!...

ISKCON AMRAVATI
ISKCON RVCC
स्व. प्रविण प्रणम मालू स्मृती प्रवेशद्वार
The Glory Of Vidarbha
ISKCON RUKMINI VEDIC CULTURAL CENTRE (RVCC)
MALOO ENTERPRISES
भूमि दान एवं भूमि पूजन
॥ बालकृष्ण धाम ॥
प्रमुख अतिथि
माननीय उपमुख्यमंत्री
श्री. एकनाथजी संभाजी शिंदे
महाराष्ट्र राज्य
संत उपस्थिति
परम पूज्य
श्रील लोकनाथ स्वामी महाराज
इस्कॉन महाराष्ट्र क्षेत्रीय सचिव
गुरुवार
8 मई 2025
शाम 5 बजे से
मालू सिटी
रेवसा रोड, अमरावती
भूमिपूजन उपरांत महाप्रसाद का आयोजन
प्रमुख उपस्थिती
श्री. चंद्रशेखर बावनकुळे
प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश
महसूल मंत्री, महाराष्ट्र राज्य
संत उपस्थिति
परम पूज्य भक्तिपद्म
सौरभ प्रचारक स्वामी महाराज
विशेष उपस्थिति:
श्री उदय सामंत
श्री संजय शिरसाट
श्री संजय राठोड
श्री आनंद अडसूळ
ॲड. आशिष जयस्वाल
श्री रवि राणा
सौ. नवनीत राणा
श्री अनिल बोंडे
सौ. सुलभा ताई खोडके
श्री संजय खोडके
श्री प्रवीण पोटे
श्री बच्चू भाऊ कडू
ॲड. यशोमती ताई ठाकुर
श्रीमती प्रीती ताई बंड
श्री सुनील देशमुख
श्री जगदीश गुप्ता
श्री अभिजित अडसूळ
श्री प्रविण तायडे
श्री कृपाल तुमाने
श्री बबलू शेखावत
श्री विलास इंगोले
श्री. बळवंत वानखडे
श्री. प्रताप अडसड
श्री. चंदू यावलकर
श्री दिनेश सूर्यवंशी